

**SHRI L. N. MISHRA :** Tobacco is one of the important items of export and Andhra Pradesh is a big producer; there is no doubt about it. About individual sellers, it depends upon the buyers also. If they have established some channel of communication or some purchasing agents, they can purchase from the private sector also. But there has been an understanding that between U.S.S.R. and India, purchases and sales should be made mostly through public sector agencies. But if there are private sector agencies, I cannot say they will not be allowed. Much depends on the purchaser also.

**SHRI K. SURYANARAYANA** rose—

**MR. SPEAKER :** Don't be standing throughout That will be a disqualification because you distract the attention of the Chair. I will allow you this time.

**SHRI K. SURYANARAYANA :** As our friend said, tobacco is lying with the traders as well as the growers in Andhra Pradesh. May I know how much of tobacco Government purchased last year and this year from the growers for exporting to Russia ?

**SHRI L. N. MISHRA :** What purchase was made last year, that figure is not with me. But the hon. Member knows that S. T. C. came into operation in January and helped the kisans to a considerable extent at a time when tobacco was passing through a great crisis.

**Loss suffered on Uneconomic Railway Lines during 1971**

+

\*1042. **SHRI G. Y. KRISHNAN :**  
**SHRI SUKHDEO PRASAD**  
**VERMA :**

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether Government have sustained loss on the uneconomic lines during 1971; and

(b) if so, the extent of loss sustained and the extent to which the suggestions and recommendations of the Review Committee on Uneconomic Branch lines have since been implemented ?

**THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI) :** (a) Yes, Sir.

(b) The estimated loss in the year 1970-71 was Rs. 7.69 crores including the dividend of Rs. 2.32 crores paid to General Revenues. A statement indicating the action taken on the recommendations of the Uneconomic Branch Lines Committee, 1969, is laid on the table of the Sabha.

*Statement*

Particulars	Number
Number of Recommendations accepted and implemented (or to be constantly kept in view for implementation)	48
Number of Recommendations accepted in part or with modification.	10
Number of Recommendations accepted but yet to be implemented.	20
Recommendations not accepted.	18
Number of Observations noted with or without qualifying remarks.	8
Total finalised.	104
Recommendations under consideration.	64

**SHRI G. Y. KRISHNAN :** In view of the fact that these uneconomic lines are causing loss to government, why not convert these lines into broad gauge in view of the passenger and goods traffic ?

**SHRI MOHD. SHAFI QURESHI :** On a rough estimate, the conversion of these lines into B. G. would cost about Rs. 240 crores. The railways do not have that much finance now available.

**SHRI G. Y. KRISHNAN :** Will the Government be pleased to reconsider this matter because it is a long process and the loss can as well be made up ?

**SHRI MOHD. SHAFI QURESHI :** I have already stated that it is a question of availability of funds,

श्री सुखदेव प्रसाद बर्मा : स्टेटमेंट में यह बताया गया है कि अनधिकारनामिक ब्रांच लाइनों से संबंधित रिब्यू कमेटी की सिफारिशों में से 18 सिफारिशों को अस्वीकृत कर दिया गया है, तो मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि वे कौन-कौन सी सिफारिशें हैं, कौन सी लाइनों के सम्बन्ध में हैं जिनको अस्वीकृत कर दिया गया है ? और साथ ही यह भी जानना चाहता हूँ कि 7-69 करोड़ रु० की जो हानि होती है वह इस समिति की सिफारिशों के अनुसार कार्यान्वित करने में कितने समय में वह हानि पूरी हो सकेगी ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : इस समिति की 168 रिकमन्डेशन्स थीं जिसमें से 104 पर फैसला लिया गया है। जैसा कि आंकड़ों से जाहिर होता है यह जो 18 रिकमन्डेशन्स हैं इनको हमने कबूल नहीं किया है। मेरे पास इसकी तफसील नहीं है। लेकिन मैं माननीय सदस्य को वह सूचना दे सकता हूँ।

श्री सुखदेव प्रसाद बर्मा : 7-69 करोड़ रु० की जो हानि आपने बताया है तो मैं यह जानना चाहता हूँ कि अनधिकारनामिक ब्रांच लाइन्स समिति ने जो सिफारिशें की हैं उन लाइनों के संबंध में उसके आधार पर काम करने से कितने समय में हानि को पूरा कर लेंगे ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : जितना भी काम होता है यह फंड प्रोग्राम के मुताबिक होता है। इस वक्त कहना कि कितना खर्चा आयेगा और कितनी बचत होगी, यह कहना मुश्किल है।

श्री सुखदेव प्रसाद बर्मा : मैंने पहले ही सवाल में जो पूछा है, उसका जवाब नहीं दिया।

अध्यक्ष महोदय : अब आप बैठ जाइये। मैं आपको इजाजत जरूर देता, लेकिन यह एक

रिवाज पढ़ जायगा जिससे आगे चल कर बड़ी मुश्किल हो जायगी।

श्री नरसिंह नारायण पांडे : क्या मंत्री जी इस बात पर विचार करने के लिये तैयार हैं कि जितनी अनधिकारनामिक रेलवे लाइन्स हैं जिनके बारे में रिकमन्डेशन्स हैं वहाँ पर उसके उखाड़ने की योजना बन रही है, तो क्या रिकमन्डेशन्स के मुताबिक उसको फिर से कन्टीन्यू करने के लिये आपका विचार है, जैसे शाहदरा वाली लाइन उखाड़ रही है ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : जी हाँ, इन सिफारिशों में यह भी शामिल है कि कुछ रेलवे लाइनें उखाड़ दी जायें, कुछ को ऐकमटेड किया जाय, कुछ को कनवर्ट किया जाय।

श्री इसहाक सम्भली : क्या यह सही है कि अनधिकारनामिक रेलवे लाइन्स जो ब्रान्च लाइन्स हैं उनमें जो नुकसान हुआ है उस नुकसान की बहुत ज्यादा वजह वहाँ सही चेंकिंग स्टाफ का न होना और वहाँ पर उन ब्रान्च रेलवे लाइनों पर रेलवे के सामान की बहुत ज्यादा चोरी होना शामिल है। क्या सरकार ने इस पर गौर किया है कि उनका टाइम टेबिल ठीक नहीं है जिसकी वजह से लोग कम सफर करते हैं, चोरी ज्यादा होती है ? सरकार इन चीजों को रोकने के लिये कोई कदम उठा रही है ?

अध्यक्ष महोदय : यह तो आप सलाह दे रहे हैं।

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : जो यह कमेटी बनी थी उसने एक बजह यह भी बताया है कि इसकी वजह से भी रेलवे लाइन अनधिकारनामिक हो जाती है। लेकिन खालिस यही बजह नहीं है। रोड ट्रांसपोर्ट का कम्पटीशन होता है उससे भी रेलवे लाइन अनधिकारनामिक हो जाती है, और उससे नुकसान हो जाता है।